





















श्रद्धालुओं की सूचना पर पहुंची महिला पुलिस ने दोनों को लिया हिरासत में



कर्मियों के साथ मौके पर जाकर दोनों महिलाओं को चोरी के आरोप में गिरफतार कर दिया। जामा तलाशी के दौरान महिलाओं के काढ़े से हजारों की नगदी चोरी करने के अरोप में पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफतार कर दिया।

जानकारी के अनुसार रविवार को माघ पूर्णिमा पर्व होने के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा झान करने के लिए छाई घाट शमसाबाद आये थे। श्रद्धालु कुपड़ी ऊपर से बाद स्थान कर रहे थे। उनीं दौरान महिला चोरों ने स्नानार्थियों के काढ़े से नकदी तथा समान चुरा दिया। यह नजरा स्थान कर रहे स्नानार्थियों ने देख लिया तथा घटना की सूचना महिला पुलिस निवासी उत्तेक बताई गई। उत्तर समाचार लिखे जाने तक दोनों महिलाओं के खिलाफ आवश्यक एसआई नीतू सिंह ने महिला पुलिस कार्रवाई जारी थी।

## हजरत अली के जुलूस-ए- विलादत में बही राष्ट्रवाद की धारा



जुलूस-ए-मीला अली में तकरीर करते मीलाना

**फर्खाबाद, समृद्धि न्यूज़।** नगर में मौला अली का जन्म-ए-मनाया गया। जुलूस एवं स्नान के साथ भूमध्यम के लिए विलादत मिस्तजद वारसिया में मीलाना एवं मीला का आयोजन हुआ। इसके बाद विलाई अंदाज में मीला अली का जुलूस शासों शैकत के साथ निकाला गया। ढोल तासों के बीच शुरू हुए मीला अली के जुलूस में सबसे अंगूष्ठीय ध्वज तिराया गया। विदानों ने कहा कि जाति मजहब बाद में है पहले हम सब देश के नागरिक हैं, देश के सिपाही हैं, जिससे श्रद्धाली धारा बह उठी। जुलूस तो मीलाना के दौरान तोप

से राष्ट्रीय ध्वज पर पुष्प वर्षा की गई। जुलूस में राष्ट्रीय ध्वज के पीछे मालाना परचम लहराये रहे। शहर काजी सैन्यद मुताहिर के सदारत में कार्यक्रम हुआ। जुलूस में तीन मरकजी गाड़ियां, पांच घोड़े शामिल हुए। इसके अलावा सभी धर्मों के मानने वालों की शिरकत से गंगा कुमार शुक्ला को शायद मुताहिर के बड़े मुहाफिर रहे। बक्त एवं हमेशा ही उन्होंने इंसानियत की विहायत की। घुमना चौराहे पर इस्लाम चौधरी, इकलाख खा ने स्वागत किया। चौक पर डांग अरविन्द गुप्ता, अरुण प्रकाश तिवारी दुटुआ, डांग रामकृष्ण राजपूत, जानी गुरुवरन सिंह, भाजापा नेता मुकेश गुप्ता, संजय गर्ग, सीओ प्रदीप कुमार, शहर कोतोलाव किनोट कुमार शुक्ला को शायद मुताहिर के बड़े मुहाफिर रहे। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से मीला अली का जन्मदिवस मनाया गया है, उसी तरीके से मिल जुलक होली और इंद के त्यौहार भी मनाये जाते हैं। जिससे हिन्दू मुस्लिम एकता कायम बनी रही और फर्खाबाद का इतिहास सलामत बना रहे।

